


राजस्थान लोक सेवा आयोग
द्वारा आयोजित

माध्यमिक शिक्षा विभाग

संस्कृत

ग्रेड- I स्कूल व्याख्याता

संस्कृत साफल्यम्

डॉ. लोकेश कुमार शर्मा
(Asst. Commissioner)
विद्यावारिधि (Ph.D.), नव्यव्याकरणाचार्य
NET, JRF, SET (संस्कृत)
शिक्षाशास्त्री, शास्त्री (लब्धस्वर्णपदक)
एम.ए., NET, JRF (राजनीति विज्ञान एवं दर्शनशास्त्र)

च्यवन प्रकाशन, जयपुर

The Leading Publication of Rajasthan




प्रकाशक :

च्यवन प्रकाशन

ए-191, त्रिवेणी नगर

गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

वितरक :

व्यास मैग्जीन एण्ड बुक डिस्ट्रीब्यूटर

ई-26, न्यू लाईट कॉलोनी, जयपुर



FIX RATE ₹ 480/-

चार सौ अस्सी रुपए





प्राक्कथन

''साफल्यमीक्षमाणानामजिह्मा राजपद्धति:''

जीवन में सफलता चाहने वालों की जीवनशैली एवं कार्यशैली सामान्य लोगों से भिन्न एवं विशिष्ट होती हैं। केवल पुराने या सभी द्वारा प्रयुक्त मार्ग पर चलने मात्र से सफल हो पाना संभव नहीं है। कार्य में कुछ न कुछ नवीनता निरन्तर आती रहनी चाहिए। '**पुराणमित्येव न साधु सर्वम्**', '**क्षणे-क्षणे यन्नवतामुपैति**' इत्यादि सुधीजनों की सूक्तियों से ऊर्जस्वी होकर परमपिता परमात्मा की असीम अनुकम्पा तथा पूज्य माता-पिता व गुरुजनों के आशीर्वचनों से 'संस्कृत-साफल्यम्' पुस्तक का लेखन एवं संकलन किया गया है। संस्कृत-जगत् के प्रतियोगियों के लिए शुद्धता एवं प्रामाणिकता से युक्त पुस्तक की आवश्यकता को देखते हुए, इस पुस्तक का लेखन-कार्य किया गया है। मेरे सभी मित्रों एवं साफल्यम् के छात्रों की निरन्तर प्रेरणा ने इसमें उत्साहवर्धन का कार्य किया है। इस पुस्तक के लेखन के लिए राजस्थान सरकार द्वारा दिये गये '**राज्य स्तरीय युवा प्रतिभा पुरस्कार**' ने इस उत्साह-ज्वाला में घी का काम किया है।

इस पुस्तक में RPSC द्वारा आगामी आयोज्य स्कूल व्याख्याता (माध्यमिक शिक्षा विभाग) ग्रेड-I, विषय—संस्कृत की सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री को प्रस्तुत किया गया है। यहाँ अध्ययन सामग्री को आवश्यकतानुसार विस्तार दिया गया है। यहाँ विषय की प्रस्तुति मौलिक एवं मनोवैज्ञानिक है। छात्रों के अध्ययन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस पुस्तक को **चार खण्डों-व्याकरण खण्ड, साहित्य खण्ड, दर्शनादि खण्ड तथा हल विगत प्रश्नपत्र खण्ड** में बाँटा गया है। विद्यार्थी प्रत्येक खण्ड का क्रमश: अध्ययन करें।

गत संस्कृत विषयक विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में टॉपर्स सहित चयनित सभी अभ्यर्थियों की पहली पसन्द साफल्यम् रही है तथा उम्मीद है कि निरन्तर बनी रहेगी। परीक्षा एवं परिणाम के समय संस्कृत जगत् में साफल्यम् की की विजय-पताका को सर्वोच्च शिखर पर पहुँचाने के लिए, मैं सुधी पाठकों एवं साफल्यम् के विद्यार्थियों के विश्वास एवं अमूल्य सुझावों के लिए हृदय से आभारी हूँ। आपके सहयोग के बिना, इतने अल्प समय में, साफल्यम् संस्कृत-प्रतियोगी-जगत् में शिखर पर नहीं पहुँच सकता था।

इस पुस्तक को लिखने तथा प्रस्तुत करने में, मैं मेरे पूज्य गुरुजनों के आशीर्वाद तथा विद्यार्थियों के विश्वास एवं उनके द्वारा साफल्यम् के प्रति रुचि तथा उत्साह के लिए हृदय से आभारी हूँ। पुस्तक में दिए हुए विषयों तथा उनके प्रस्तुतीकरण के लिए मैं ईश्वर, माता-पिता तथा मेरे पूज्य-गुरुजनों के प्रति आभारी हूँ। मैं, **स्व. श्री हिन्द केसरी, श्री हनुमान दास जी महाराज, प्रो. अर्कनाथ चौधरी, डॉ. भूदेव शर्मा, प्रो. शिवकान्त झा, प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, प्रो. वाई.एस. रमेश, प्रो. सुदेश शर्मा, प्रो. श्रीधर मिश्र, प्रो. सोहन लाल पाण्डेय, प्रो. श्रीमती संतोष मित्तल, प्रो. उमाकान्त चतुर्वेदी, श्री कैलाश गौतम, श्री रामकुँवार सिंह शेखावत, डॉ. कैलाश चन्द सैनी, श्री राधेश्याम गुप्ता, श्री धर्मेन्द्र सर (पतञ्जलि), अग्रज पं. श्री राजेन्द्र भारद्वाज** एवं अन्य सभी गुरुजनों के आशीर्वाद के लिए हृदय से आभारी हूँ। गुरुकृपा एवं माता-पिता के आशीर्वाद के बिना ये सब संभव नहीं था। साफल्यम् के विगत संस्करणों के द्वारा प्रथम श्रेणी प्राध्यापक, द्वितीय श्रेणी अध्यापक तथा रीट प्रतियोगी परीक्षाओं में अभ्यर्थियों को बहुत लाभ हुआ है। उसी तरह इस परीक्षा के लिए यह पुस्तक आपके लिए अत्यन्त लाभकारी सिद्ध होगी।

मैं साफल्यम् पुस्तकों के लेखनकार्य में सहयोग करने के लिए **डॉ. धर्मपाल प्रजापत** (असि. प्रोफेसर), **डॉ. हार्दिक राज्यगुरु** (असि. प्रोफेसर), **राजेश शर्मा** व.अ., **डॉ. विजय शंकर शर्मा** व.अ., **डॉ. हनुमान सहाय माली** व.अ., एवं **नितेश धाकड़** व.अ. का हृदय से आभारी हूँ।

सुधी पाठकों के सुझाव safalyaminfo@gmail.com पर सादर आमन्त्रित हैं।



— डॉ. लोकेश कुमार शर्मा

(Asst. Commissioner)



LIVE Classes

- ☑ जयपुर स्थित ऑफलाईन कोचिंग से प्रतिदिन LIVE Class*
- ☑ यदि Class छूट जाये तो भी Class को बाद में देखने का विकल्प

Video Classes

- ☑ आधुनिक तकनीकियुक्त डिजिटल पैनल पर 300+ रिकोर्डेड क्लासेज
- ☑ 100+ कक्षा व्याकरण, 150+ कक्षा साहित्य तथा 50 अन्य कक्षायें
- ☑ Class को डाउनलोड कर बिना Internet पढ़ने का विकल्प
- ☑ 10 सैकण्ड ⇦ Backward/Forward ⇨ का विकल्प
- ☑ 1×, 1.25×, 1.5×, 2× Speed से Video देखने का विकल्प
- ☑ Video क्वालिटी को कम या ज्यादा करने का विकल्प

Online Tests

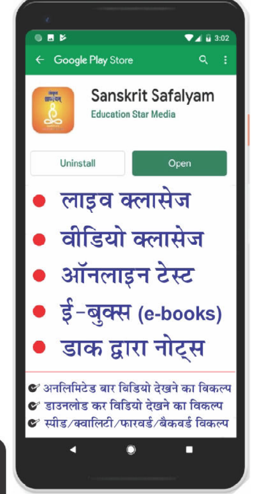
- ☑ 175+ टॉपिक टेस्ट तथा 10 सम्पूर्ण संस्कृत पाठ्यक्रम गोल्डन टेस्ट
- ☑ Unlimited बार Attempt करने तथा उत्तर देखने का विकल्प
- ☑ हजारों प्रतियोगियों के बीच अपनी Rank जानने का विकल्प
- ☑ अतिरिक्त सुविधा हेतु सभी टेस्ट के विडियो समाधान भी उपलब्ध

Notes/Booklets

- ☑ दिये हुए Address पर आवश्यक Notes Speed Post के द्वारा।
- ☑ Notes Booklets के रूप में (विशेषत: साहित्य एवं अन्य विषय)

संस्कृत के डिजिटल युग में शिखर पर





Call : 9636216115
9828126115, 7568216679

उपलब्ध ऑनलाइन कोर्स

RPSC ग्रेड-I स्कूल व्याख्याता, ग्रेड-II वरिष्ठ अध्यापक, ग्रेड-III मुख्य परीक्षा, REET/RTET पात्रता परीक्षा

साफल्यम् App



आज ही Download कर Install करें।

RPSC ग्रेड-I स्कूल व्याख्याता 2022-23 परिणाम ...... इन Toppers सहित 110+ चयन



RPSC ग्रेड-II वरिष्ठ अध्यापक 2022-23 परिणाम ...... इन Toppers सहित 1100+ चयन



RSSB ग्रेड-III अध्यापक 2022-23 परिणाम ...... इन Toppers सहित 1000+ चयन



RPSC ग्रेड-II 2017-18



RPSC ग्रेड-II 2019-20



RPSC ग्रेड-I, II अन्य परिणाम






राजस्थान लोक सेवा आयोग

माध्यमिक शिक्षा विभाग

RPSC Grade-I पाठ्यक्रम द्वितीय प्रश्नपत्र-संस्कृत

खण्ड-I (उच्चमाध्यमिकस्तरः)

1. **लघुसिद्धान्तकौमुदी-आधारित-सञ्ज्ञाप्रकरणतः प्रश्नाः-**

इत्, लोपः, संयोगः, संहिता, प्रयत्नः (आभ्यन्तरः, बाह्यः), उच्चारणस्थानानि, पदम्।

2. **निम्नलिखितसूत्राणामाधारे स्वर-व्यञ्जन-विसर्ग-सन्धीनां ज्ञानं तथा सूत्रानुसारं सन्धिः सन्धिविच्छेदश्च–**

स्वरसन्धिः– इको यणचि, एचोऽयवायावः, आद्गुणः, वृद्धिरेचि, अकः सवर्णे दीर्घः, एङः पदान्तादति, एङि पररूपम्, ईदूदेद् द्विवचनं प्रगृह्यम्।

व्यञ्जनसन्धिः– स्तोः श्चुना श्चुः, ष्टुना ष्टुः, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, झयो होऽन्यतरस्याम्, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, ङमो ह्रस्वादचि ङमुण्नित्यम्।

विसर्गसन्धिः– विसर्जनीयस्य सः, ससजुषो रुः, अतो रोरप्लुतादप्लुते, हशि च, भो-भगो-अघो-अपूर्वस्य योऽशि, रो रि, ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः, एतत्तदोः सुलोपोऽकोरनञ्समासे हलि।

3. **अधोलिखितानाम् अव्ययानां प्रयोगः रिक्तस्थानपूर्तिश्च–**

पुनः, उच्चैः, नीचैः, अधः, अद्य, ह्यः, श्वः, सायम्, चिरम्, तूष्णीम्, सहसा, मिथ्या, पुरा, खलु, किल, धिक्, विना, सह, अन्तरा।

4. **निम्नलिखितानां शब्दरूपाणां ज्ञानम्–**

राम, हरि, पति, गुरु, पितृ, भूभृत्, गच्छत्, आत्मन्, राजन्, भवत्, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, दधि, मधु, कर्मन्, जगत्, मनस्, अस्मद्, युष्मद्, सर्व, तत्, इदम्।

5. **निम्नलिखितानां धातूनां लट्-लोट्-लृट्-लङ्-विधिलिङ्लकारेषु सामान्यप्रश्नाः–**

परस्मैपदी-भू, पठ्, हस्, लिख्, अस्, हन्, पा, नृत्, शक्, कृ, ज्ञा, चिन्त्, पच्, दृश्, प्रच्छ्।

आत्मनेपदी-सेव्, लभ्, रुच्, याच्।

6. **निम्नलिखितप्रत्ययानां सामान्यज्ञानम् तथा प्रकृति-प्रत्यय-आधारिताः प्रश्नाः–**

क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तुमुन्, तव्यत्, अनीयर्, ण्वुल्, तृच्, यत्, ण्यत्, क्यप्, क्त्वा, ल्यप्, ल्युट्, घञ्, क्तिन्, अच्, इन्, मयट्, मतुप्, तल्, तरप्, तमप्, ईयसुन्, इष्ठन्, इमनिच्, टाप्, ङीप्।

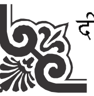
खण्ड-II (स्नातकस्तरः)

1. **निम्नलिखितछन्दसां परिज्ञानम्, लक्षणोदाहरणसम्बन्धिसामान्यप्रश्नाश्च–**

अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवजा, उपजातिः, वंशस्थम्, द्रुतविलम्बितम्, भुजङ्गप्रयातम्, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, स्रग्धरा, रथोद्धता, वियोगिनी, शालिनी।

2. **अधोलिखितानाम् अलङ्काराणां परिज्ञानम्, लक्षणोदाहरणसम्बन्धिसामान्यप्रश्नाश्च–**

अनुप्रासः, यमकम्, श्लेषः, स्वभावोक्तिः, उपमा, रूपकम्, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेकः, सन्देहः, भ्रान्तिमान्, निदर्शना, दृष्टान्तः, अर्थान्तरन्यासः, दीपकम्, तुल्ययोगिता, व्यतिरेकः, समासोक्तिः, अतिशयोक्तिः, विभावना, विशेषोक्तिः, वक्रोक्तिः।




3. अधोलिखितानां समासानां सामान्य-परिचयः, समस्तपदानां समासः समासविग्रहश्च -

अव्ययीभावसमासः, तत्पुरुषः, कर्मधारयः, द्विगुः, द्वन्द्वः, बहुव्रीहिः।

4. हिन्दीवाक्यानां संस्कृतानुवादः। (कारकाधारेण)

5. कारक-प्रत्यय-समास-आधारितवाक्यानाम् अशुद्धिसंशोधनम्।

6. निम्नाङ्कितपुस्तकानां सामान्याध्ययनम्–

कठोपनिषद्-प्रथमोऽध्यायः-प्रथमवल्ली, श्रीमद्भगवद्गीता-द्वितीयोऽध्यायः, नीतिशतकम् (भर्तृहरिः), किरातार्जुनीयम्-प्रथमसर्गः (भारविः), मेघदूतम् (कालिदासः), शुकनासोपदेशः (बाणभट्टः), अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदासः), स्वप्नवासवदत्तम् (भासः)।

7. निम्नलिखितसूक्तानां सामान्यप्रश्नाः–

वरुणसूक्तम् (1.125), पुरुषसूक्तम् (10.90), अग्निसूक्तम् (1.1), विष्णुसूक्तम् (1.154), संज्ञानसूक्तम् (10.191)।

8. संस्कृतसाहित्येतिहास-सम्बन्धि-सामान्य-परिचयात्मक-प्रश्नाः–

वैदिकसाहित्यम्–वेद-ब्राह्मण-प्रमुखोपनिषदां याज्ञवल्क्यस्मृतेः आचाराध्यायस्य च सामान्यपरिचयः।

लौकिकसाहित्यम्–

(क) वीरकाव्यम्– रामायणम्, महाभारतम्।

(ख) महाकाव्यककवयः–कालिदासः, अश्वघोषः, भारविः, माघः, श्रीहर्षश्च।

(ग) गद्यकाव्यककवयः–बाणभट्टः, दण्डी, सुबन्धुश्च।

(घ) दृश्यकाव्यककवयः–भासः, भवभूतिः, शूद्रकः, विशाखदत्तः।

राजस्थानीयाः अर्वाचीनकवयः तेषां रचनापरिचयः–अम्बिकादत्तव्यासः,देवर्षिकलानाथशास्त्री, भट्टमथुरानाथ शास्त्री, पं. पद्मशास्त्री, डॉ. प्रभाकरशास्त्री, प्रो. हरिराम आचार्यः, डॉ. शिवसागरत्रिपाठी, पं. मोहनलालपाण्डेयः।

खण्ड-III (स्नातकोत्तर-स्तरः)

1. सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरणम्)- निम्नलिखितानां सूत्राणां सामान्यपरिचयात्मकप्रश्नाः वाक्यप्रयोगाश्च-

प्रातिपदिकार्थलिङ्ग-परिमाण-वचनमात्रे प्रथमा। कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, अधिशीङ्स्थाऽऽसां कर्म, अकथितं च, उपान्वध्याङ्वसः, अभितःपरितःसमयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि, अन्तराऽन्तरेणयुक्ते, कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे। साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, प्रकृत्यादिभ्य उपसख्यानम्, अपवर्गे तृतीया, येनाङ्गविकारः, सहयुक्तेऽप्रधाने, इत्थम्भूतलक्षणे। कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, चतुर्थी सम्प्रदाने, स्पृहेरीप्सितः, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः, धारेरुत्तमर्णः, क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः, क्रुधद्रुहोरुपसृष्टयोः कर्म, तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या, नमःस्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्- योगाच्च। ध्रुवमपायेऽपादानम्, अपादाने पंचमी, जुगुप्साविरामप्रमादार्थानामुपसङ्ख्यानम्, भीत्रार्थानां भयहेतुः, वारणार्थानामीप्सितः, अन्तर्धौ येनादर्शनमिच्छति, आख्यातोपयोगे, जनिकर्तुः प्रकृतिः, भुवः प्रभवः, पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्यतरस्याम्। षष्ठी शेषे, षष्ठी हेतुप्रयोगे, सर्वनाम्नस्तृतीया च, षष्ठ्यतसर्थप्रत्ययेन, दूरान्तिकार्थैः षष्ठ्यन्यतरस्याम्, अधीगर्थदयेशां कर्मणि, कर्तृकर्मणोः कृति, षष्ठी चानादारे, कृत्यानां कर्तरि वा। आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च, साध्वसाधुप्रयोगे च, निमित्तात् कर्मयोगे, यतश्च निर्धारणम्, यस्य च भावेन भावलक्षणम्।

2. भाषाविज्ञानसम्बन्धिप्रश्नाः– भाषा-उत्पत्तेः प्रमुखसिद्धान्ताः, उच्चारणस्थानानि, ध्वनिनियमाः, भाषाणां वर्गीकरणम्।

3. निम्नलिखितदर्शनग्रन्थानां सामान्याध्ययनम्–साङ्ख्यकारिका (ईश्वरकृष्णः), तर्कभाषा- प्रामाण्यवादपर्यन्तम् (केशवमिश्रः), चार्वाक-दर्शनम्।

4. अलङ्कारशास्त्राणां सामान्याध्ययनम्– नाट्यशास्त्रम्- प्रथमः द्वितीयोऽध्यायश्च (भरतमुनिः), काव्यप्रकाशः (मम्मटः), साहित्यदर्पणः-प्रथमः द्वितीयः परिच्छेदश्च, तृतीय परिच्छेदस्य 1 तः 28 कारिकापर्यन्तम् (कविराजविश्वनाथः), ध्वन्यालोकः (आनन्दवर्धनः)।




विवरणिका

क्र.सं.	प्रकरण	पृष्ठ संख्या







विवरणिका

क्र.सं.	प्रकरण	पृष्ठ संख्या

दर्शनादि-खण्ड

हल विगत प्रश्नपत्र-खण्ड

विगत परीक्षाओं के हल प्रश्न-पत्र (RPSC ग्रेड-I)

मातापितृभ्यां गुरुभ्यश्च
सादरं समर्पणम्







व्याकरण खण्ड